आचार्य प्रफुल्ल चंद्र राय

चर्चा में क्यों?

भारत में आधुनिक रसायन विज्ञान के अग्रदूत **आचार्य प्रफुल्ल चंद्र राय** की **164वीं जयंती** पर विभिन्न स्मारक गतिविधियों का आयोजन किया गया।

मुख्य बिंदु

- **आचार्य प्रफुल्ल चंद्र राय के बारे में:**

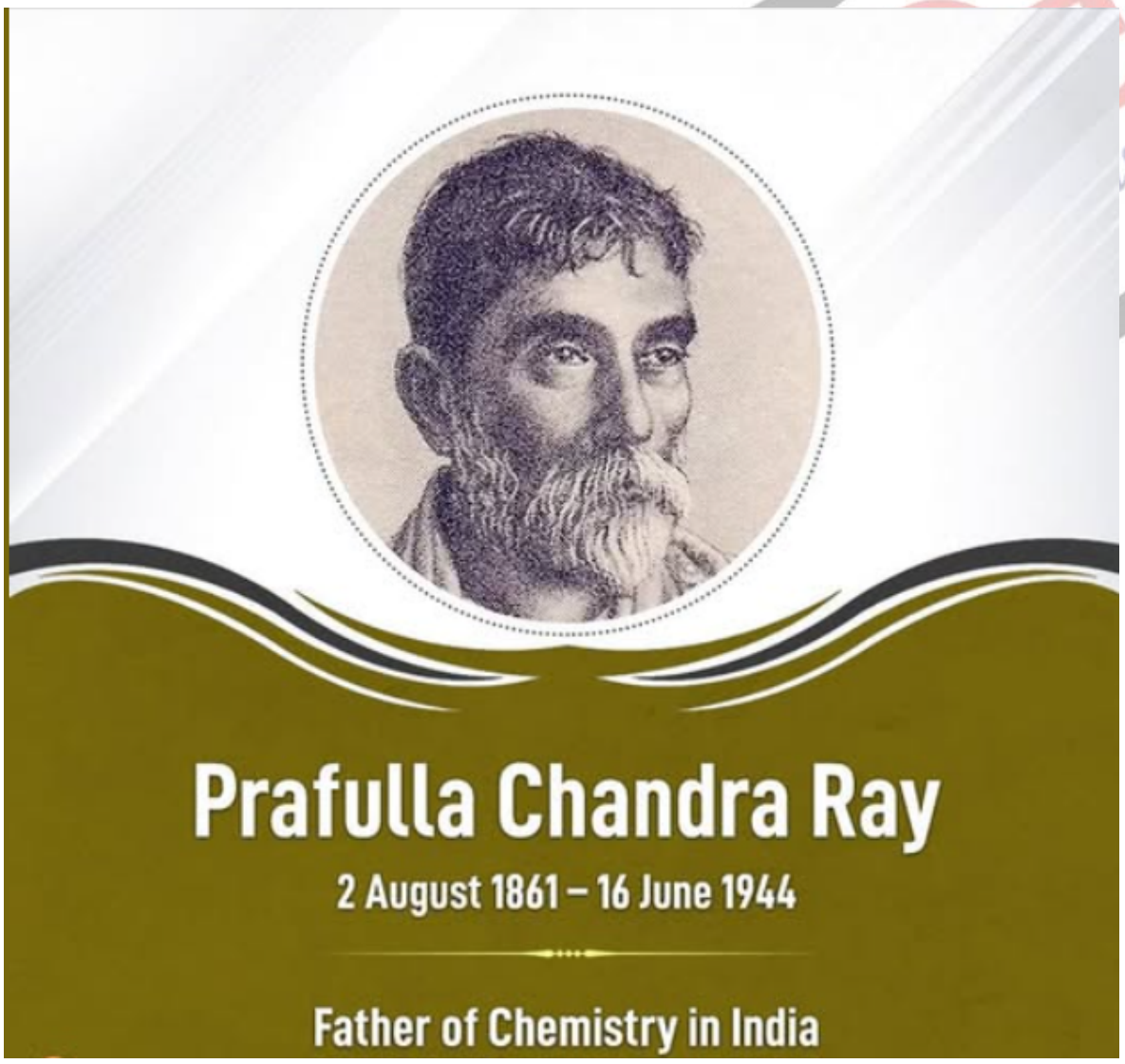

  - **प्रफुल्ल चंद्र राय (1861-1944)** एक प्रसिद्ध भारतीय **वैज्ञानिक और शिक्षक** थे तथा "आधुनिक" भारतीय रासायनिक शोधकर्त्ताओं में से

एक थे। **इन्हें "भारतीय रसायन विज्ञान के जनक" के रूप** में जाना जाता है।

- **मूल रूप से एडिनबर्ग विश्वविद्यालय में प्रशिक्षित,** उन्होंने कई वर्षों तक कलकत्ता के प्रेसीडेंसी कॉलेज और फिर कलकत्ता विश्वविद्यालय में काम किया।

- **कार्य:**
  - उन्होंने वर्ष 1895 में स्थिर यौगिक **मरक्यूरस नाइट्राइट** (Mercurous Nitrite) की खोज की।
  - एक कट्टर राष्ट्रवादी राय बंगाली उद्यम को आगे बढ़ाने के लिये प्रतिबद्ध थे और उन्होंने **वर्ष 1901 में बंगाल केमिकल एंड फार्मास्युटिकल वर्क्स** की स्थापना की।
  - राय वर्ष **1905 के स्वदेशी आंदोलन** के सक्रिय समर्थक थे और वे विदेशी वस्तुओं के प्रयोग को भारत के विरुद्ध राजद्रोह मानते थे।
  - वह एक सच्चे तर्कवादी थे और पूरी तरह से जाति व्यवस्था व अन्य तर्कहीन सामाजिक व्यवस्था के खिलाफ थे। उन्होंने अपनी मृत्यु तक समाज सुधार के इस कार्य को जारी रखा।
- **पुरस्कार एवं सम्मान:**
  - ब्रिटिश सरकार द्वारा सम्मानित, उन्हें **भारतीय साम्राज्य का साथी (Companion of the Indian Empire- CIE)** की तथा उसके बाद वर्ष 1919 में नाइटहुड की उपाधि दी गई।
  - **वर्ष 1920 में उन्हें भारतीय विज्ञान कांग्रेस का अध्यक्ष चुना गया।**
  - **2 अगस्त, 1961** को उनकी जयंती मनाने के लिये **भारतीय डाक** द्वारा उन पर एक डाक टिकट जारी किया गया था।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/acharya-prafulla-chandra-ray-2